website: www.pawanprawah.com
पवन प्रवाह
सत्य का प्रवाह सतत प्रवाह
डाक पंजीयन संख्या GPO LW/NP-106/2018-2020
लखनऊ से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

लेखक डॉ. भरत राज सिंह
स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के महानिदेशक एवं वैदिक विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष हैं

भारत में भीषण तूफान व बाढ़

पिछले अंक-5 तक हमने पाया कि आपदाओं, तीव्र तूफान, भारी बर्फ गिरने के कारण जन-जीवन प्रभावित हो रहे हैं और जीवन के लिए ऐसी स्थितिया अनुकूल नहीं बन रही हैं तथा आजीविका के लिये भारी नुकसान हो सकता है। इस पर कुछ भविष्यवाणी व विवरण पिछले अंको में अपनी पुस्तको व लेख के माध्यम से दिया था, अब उसके आगे की जानकारी प्राप्त करें।

भाग-06

गतांक से आगे

फथई धूल तूफान से बाढ़, केरल, 19 दिसंबर, 2018

चक्रवात फेथाई ने आंध्र प्रदेश में हजारों लोगों को विस्थापित करने के लिए भूस्खलन किया। यह चक्रवात गाजा के पड़ोसी तमिलनाडु, केरल और पुदुचेरी में तबाह होने के ठीक एक महीने बाद आता है। उस चक्रवात की वजह से हवा की गति 120 किमी प्रति घंटा हो गई, जिसने कम से कम 45 लोगों के जीवन का दावा किया और घरों, फसलों और बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचाया।

ओडिशा में चक्रवाती तूफान फानी, 03 मई 2019

पूर्वी भारत के तटीय शहर पुरी के पास एक विशाल उष्णकटिबंधीय चक्रवात ने शुक्रवार को भूस्खलन कर दिया, जिससे लाखों लोगों का घर प्रभावित हुआ। यह माना जाता है कि तूफान, जिसे साइक्लोन फानी कहा जाता है (जिसे ÷फोनी÷ कहा जाता है) ने तट को 115 मील प्रति घंटे (एक श्रेणी 3 तूफान के बराबर) से अधिक हवाओं के साथ मारा। यह 20 वर्षों में भारत को मारने के लिए सबसे मजबूत तूफान है।

ओडिशा में पुरी के करीब चक्रवातफनी ने अधिकतम हवा की गति 180-190 किमी / घंटा (कैट 3 समतुल्य) के साथ भूस्खलन किया और एनएनई को स्थानांतरित करने और पश्चिम बंगाल की ओर बढ़ने और फिर बांग्लादेश की ओर कमजोर होने का अनुमान है। यह तूफान तब से कमजोर हो गया है लेकिन यह एक खतरनाक प्रणाली बना रहेगा क्योंकि यह बांग्लादेश की ओर भारत के पूर्वी तट तक जाता है, जहां 2.1 मिलियन लोगों को निकाला गया था। बाढ़ और संभावित रूप से घातक भूस्खलन हो सकता है। कुल मिलाकर, संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि तूफान के मार्ग में 28 मिलियन लोग रहते हैं।

12 जून, 2019 को गुजरात में चक्रवाती तूफान वायु

तूफान-शक्ति उष्णकटिबंधीय चक्रवात वायु से छह मिलियन लोग प्रभावित हो सकते हैं, जो उत्तर-पश्चिम भारत की ओर बढ़ रहा है और गुरुवार सुबह से गुजरात के समुद्र तट को स्कर्ट करेगा। बुधवार को भारत के गृह मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि लगभग 300,000 लोगों को 700 आश्रय घरों से निकाला जाना तय है। अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र में स्कूल और कॉलेज शुक्रवार तक बंद हैं। 170 किमी प्रति घंटे (100 मील प्रति घंटे) की हवा के साथ, उष्णकटिबंधीय चक्रवात वायु दशकों में उत्तर पश्चिमी भारत पर हमला करने वाला सबसे मजबूत चक्रवात बन सकता है। यह भारत के उत्तरपूर्वी तट में शक्तिशाली ट्रॉपिकल साइक्लोन फैनीस्लाम के एक महीने बाद आता है।

वायु ने बुधवार को मुंबई के पश्चिम में लगभग 300 किलोमीटर (185 मील) की दूरी तय की, जो उत्तर में गुजरात तट की ओर बढ़ रही थी। पूर्वानुमान में तूफान को पश्चिम की ओर मोड़ने का आह्वान किया गया है, जो तूफान के केंद्र को अगले 48 घंटों में सिर्फ अपतटीय रख सकता है क्योंकि यह गुजरात के सौराष्ट्र प्रायद्वीप और कच्छ जिले के समानांतर चलता है। लेकिन भले ही तूफान आधिकारिक रूप से लैंडफॉल न बनाता हो - अर्थात केंद्र की ओर, या आंख, तूफान की गति बढ़ जाती है - कम से कम आधा तूफान भूमि पर होगा, इसलिए तटीय क्षेत्र सीधे बारिश, हवा और द्वारा मारा जाएगा बढ़ता तूफान। भारत ने 39 राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल टीमों को तैनात किया है - प्रत्येक को लगभग 45 लोगों के साथ - निकासी, खोज, बचाव और राहत कार्यों के साथ स्थानीय अधिकारियों की मदद करने के लिए। सेना के पास स्टैंडबाय पर 34 टीमें हैं।